12/01/2021

युवा मामले तथा खेल मंत्रालय द्वारा आयोजित राष्ट्रीय युवा संसद उत्सव, 2021 के समापन के अवसर पर उद्बोधन

- राष्ट्रीय युवा संसद महोत्सव, 2021 के समापन कार्यक्रम से जुड़ने के लिए माननीय प्रधानमंत्री जी का अभिनंदन है। आपके प्रेरणादायी विचार देश भर के युवाओं को सदैव प्रेरित और प्रोत्साहित करते हैं।

- आज आधुनिक भारत के महान दार्शनिक और कर्मयोगी स्वामी विवेकानन्द जी की जन्म तिथि है जिसे हम राष्ट्रीय युवा दिवस के रूप में मनाते हैं। आज का दिन युवाशक्ति और युवा सामर्थ्य के उत्सव का दिन है।

- स्वामी जी ने युवाओं में आत्मशक्ति और आत्मविश्वास को मजबूत करने का संदेश दिया था। मैं आप सबमें वही युवा-शक्ति और आत्मविश्वास देख रहा हूं जो असंभव-सी लगने वाली बातों को संभव बना सकता है। आपमें स्वामी जी के सपनों को साकार करने की क्षमता है।

- संसद भवन लोकतंत्र का मंदिर है और पूरे देश की अमूल्य धरोहर है। आप संसद के इस केन्द्रीय कक्ष में देश के अलग-अलग हिस्सों का प्रतिनिधित्व करते हुए लघु भारत की तस्वीर प्रस्तुत कर रहे हैं।

- आपका दायित्व है कि संसदीय प्रक्रियाओं और मूल्यों को देश में अधिकतम लोगों तक पहुचाने का सक्रिय प्रयास करें। आप यहां से जो शक्ति और ऊर्जा का स्रोत लेकर जाएंगे, वह देश के अलग-अलग क्षेत्रों में लोकतंत्र को मजबूत करेगा और उसके साथ ही देश की समस्याओं और कठिनाइयों के समाधान का मार्ग भी इसी लोकतंत्र के माध्यम से निकलेगा।

- युवाओं की ऊर्जा और असीमित क्षमता का उपयोग करने के उद्देश्य से माननीय प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में देश में कई कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। उनका विजन युवाओं की नवाचार एवं सकारात्मक बदलाव करने की क्षमता के माध्यम से राष्ट्र का नवनिर्माण करना है।

- इसी उद्देश्य को और व्यापक अर्थ देते हुए आत्म निर्भर भारत अभियान की शुरुआत की गई है। इन्हीं योजनाओं के माध्यम से नया भारत आज हमारी आंखों के सामने साकार हो रहा है।

- हमारा संकल्प होना चाहिए कि हम देश के पुनरूत्थान एवं संविधान और संसद को सशक्त करने के लिए युवा ऊर्जा और युवाशक्ति का अधिकतम उपयोग करें।

- हमारे लोकतंत्र का भविष्य उज्ज्वल है क्योंकि हमारी युवा-शक्ति अपने देश, अपने लोकतंत्र और अपनी व्यवस्था में सक्रिय भागीदार है।

- देश में सकारात्मक बदलावों के नवाचारों के साथ युवा आगे आ रहे हैं। यह हमारे देश के लोकतांत्रिक भविष्य के लिए उत्साहजनक संकेत है।
- नए भारत की परिकल्पना, नए भारत के निर्माण के सपने, जो हमने देखे हैं, वह तभी पूरे हो सकते हैं जब हम लोकतंत्र में सक्रिय भागीदारी और सहभागिता निभाएं।
- अंत में मैं इस युवा संसद फाइनल्स के विजेताओं को बधाई देता हूं तथा सभी प्रतिभागियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करता हूं।
- मैं माननीय प्रधानमंत्री जी का भी अपना अमूल्य समय प्रदान करने और अपनी गरिमामयी उपस्थिति से हम सबको अनुगृहीत करने के लिए पुन: आभार व्यक्त करता हूं।